वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 327 | बुधवार 27 मार्च 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

रंगों से सराबोर हुई गुलाबी नगरी...

संपूर्ण देश सहित गुलाबी नगरी भी रंगों के पर्व होली के रंगों में नजर आई और शहर में जगह-जगह अनेक 'हास्य आयोजन' भी हुए। स्थानीय लोगों ने विदेशी पर्यटकों के साथ भी होली का आनंद लिया।

जयपुर कमिश्नर को कंधे पर उठाकर पुलिसकर्मियों ने किया डांस

अलवर में एसपी भी जमकर थिरके, सभी ने साथ मनाई होली

जयपुर. कासं

राजस्थान में पुलिसवालों ने मंगलवार को होली मनाई। जयपुर के चांदपोल स्थित पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में जयपुर कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ को पुलिसवालों ने कंधे पर उठाकर डांस किया। वहीं, अलवर में धुलंडी की शाम को पुलिस लाइन में रंग गुलाल लगाकर होली मनाई गई। इसमें अलवर एसपी ने भी डांस किया। गौरतलब है कि जयपुर पुलिस लाइन में सुबह 9 बजे डीजीपी राजस्थान यूआर साहू, जयपुर कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ, एडिशनल पुलिस कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप, सहित सभी जिलों के डीसीपी मौजूद रहे। बीजू जॉर्ज जोसफ को पुलिसकर्मियों ने कंधे पर उठाकर डांस किया। जयपुर के चांदपोल स्थित पुलिस लाइन में 650 से ज्यादा महिला, पुरुष पुलिसकर्मियों ने

एक साथ होली का जश्न मनाया। इस दौरान आईपीएस से लेकर सिपाही तक कार्यक्रम में मौजूद रहे। हार्ड ड्यूटी होने के कारण पुलिसकर्मी अपने साथियों और परिवार के साथ नहीं खेल पाते होली जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया- धुलंडी के अगले दिन पुलिसकर्मी अपने साथियों और परिवार के साथ होली खेलते हैं। होली और धुलंडी के दिन हार्ड ड्यूटी होने के कारण पुलिसकर्मी अपने साथियों और परिवार के साथ होली नहीं खेलते। अगले दिन पुलिस मुख्यालय के आदेश पर जिले और कमिश्नरेट में होली का त्योहार पुलिसकर्मी अपने पुलिस मुखिया और पुलिस परिवार के साथ मनाते हैं। इसी क्रम में पुलिस लाइन चांदपोल में विशेष कार्यक्रम रखा गया। डीजीपी यूआर साहू ने बताया- होली और दीपावली पर पुलिसकर्मियों की विशेष ड्यूटी लगाई जाती है। इसलिए अगले दिन पुलिस की होली का आयोजन किया जाता है। हर जिला पुलिस लाइन में यह आयोजन होता है। इसमें जिला पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में होली मनाई जाती है। अलवर पुलिस लाइन में सोमवार शाम को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया था। इसमें रंग-गुलाल लगाकर धुलंडी मनाई गई। इस दौरान पुलिस एसपी आनंद शर्मा ने जमकर डांस किया। उनके साथ कई थानों के थानाधिकारियों ने भी डांस किया। उदयपुर में आईजी अजयपाल लांबा, कलेक्टर अरविंद पोसवाल, एसपी योगेश गोयल सहित पुलिस के तमाम आला अधिकारियों ने होली का जश्न मनाया। पुलिसकर्मियों ने आईजी, एसपी और कलेक्टर को अपने कंधों पर बैठाकर डांस किया। पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे पर रंग लगाकर होली की बधाई दी।

अद्भुत साहित्य सृजक! गुदड़ी का लाल: डॉ. हुकमचंद भारिल्ल

समय निकलते देर नहीं लगती; 26 मार्च को 1 वर्ष पूरा हो जाएगा जब अध्यात्म जगत की महान विभूति डॉक्टर हुकमचंद भारिल्ल इस नश्वर देह का परित्याग कर संसार से विदा ले गए। आध्यात्मिक सत्पुरुष श्री कानजी स्वामी के मिशन को फर्स से अर्स तक पहुंचाने का भगीरथ प्रयत्न यदि सही मायने में किसी ने किया है तो उसके असली हकदार डॉक्टर हुकमचंद भारिल्ल हैं। एक साधारण से परिवार में पले पुसे डा. भारिल्ल के चमत्कारी व्यक्तित्व से कौन प्रभावित नहीं हुआ होगा ; उनकी बेजोड़ कार्य क्षमता के तो विरोधी भी कायल रहे हैं। मैं मार्च 1976 में आपके बुलावे पर चंदेरी से जयपुर आया था आत्मधर्म के प्रबंध संपादक के रूप में और फिर सदा के लिए यहीं का हो गया। गुलाबी नगरी जयपुर को टोडरमल जी की नगरी कहा जाता है। डॉक्टर भारिल्ल की दूरदर्शी सोच ने उनके नाम पर स्थापित टोडरमल स्मारक को जीवंत रूप देकर विश्व पटल पर चमकाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। सबसे पहले वीतराग विज्ञान विद्यापीठ परीक्षा बोर्ड स्थापित कर बच्चों में नैतिक शिक्षा प्रदान करने पाठमाला तैयार की फिर उनको व्यवस्थित ढंग से पढ़ाने शिक्षकों को तैयार किया। शिक्षकों को बी एड जैसी शिक्षा देने हर वर्ष प्रशिक्षण शिविर लगाने की व्यूह रचना तैयार की। गांव-गांव में वीतराग विज्ञान पाठशालाएं स्थापित कीं और उन्हें अनुदान देकर स्वावलंबी बनाया ।डॉक्टर भारिल्ल ने हर विधा में साहित्य सृजन तो किया ही उनके प्रकाशन व वितरण की ठोस योजना भी तैयार की और लागत से भी कम मूल्य में जन-जन तक सत्साहित पहुंचाने का बीड़ा उठाया ।इसके लिए पृथक से साहित्य प्रकाशन विभाग स्थापित किया जिसमें आचार्य भगवंतों का चारों अनुयोगों का साहित्य प्रकाशित तो हुआ ही अन्य उपयोगी साहित्य भी प्रकाशित करने हेतु विभाग को विकसित किया। साहित्य को लागत से भी कम मूल्य पर उपलब्ध कराने हेतु दानदातारों को मानसिक रूप से तैयार कर उनके द्रव्य का उपयोग कीमत कम करने व उसे सही हाथों में वितरित करने की योजना को मूर्त रूप दिया। यही कारण है कि आज 45 लाख से अधिक की संख्या में सत साहित्य घर-घर पहुंचा कर ही आपने दम लिया। आपके द्वारा सृजित शताधिक कृतियां आज समाज के हृदय का हार बनी हुई हैं और प्रेरणा दे रही हैं। सन् 1977 में टोडरमल दिगंबर जैन सिद्धांत महाविद्यालय की स्थापना कर आपने सभी को चौंका दिया।

क्योंकि जब अन्यत्र चल रहे विद्यालय बंद होने की कगार पर थे तब इस प्रकार की जोखम उठाना बस आपके ही बस की बात थी। आपकी पहली नजर युवा वर्ग को धर्म के प्रति जागरूक करने पर थी। समय ने ऐसी करवट ली कि विद्यालय योजना फलीभूत हुई और आज 1200 से अधिक विद्वान शास्त्री की डिग्री लेकर राष्ट्र व समाज की सेवा कर रहे हैं। हमारी विरासत जैन तीर्थों की भयावह स्थिति देख आपका हृदय करुणा से भर गया। तब आपने श्री कुंदकुंद कहान तीर्थ सुरक्षा ट्रस्ट स्थापित करने की योजना मुमुक्षु समाज के समक्ष रखी और उसे मूर्त रूप देने में प्राणपण से जुट गए। राष्ट्र संत श्वेतपिच्छाचार्य श्री विद्यानंद जी मुनिराज ने तो आपको समयसार का शिखर पुरुष घोषित तो किया ही आपका दिल्ली के रामलीला मैदान में ऐतिहासिक अभिनंदन समारोह भी आयोजित कराकर सबको आश्चर्यचकित कर दिया। आप जैन समाज के विद्वानों की पूज्य गणेश प्रसाद जी वर्णी द्वारा स्थापित अखिल भारतीय दिगंबर जैन विद्वत परिषद के आजीवन अध्यक्ष रहे । दिगंबर समाज में तो आपके प्रवचनों की धूम मची ही रही श्वेतांबर समाज में भी प्रतिवर्ष पर्यूषण पर्व पर आपको मुंबई में आमंत्रित किया जाने लगा और यह श्रृंखला कभी टूटी नहीं। पहले कैसेट फिर डीवीडी और अब यूट्यूब पर आपके प्रवचन एवं पद्य रचनाएं हर घर में गूंज रही हैं। साधना चैनल पारस ,जिनवाणी व अरिहंत चैनल पर आपके लगातार प्रवचन प्रसारित होते रहे हैं जो अब भी अनवरत जारी हैं। लगभग 18 हजार पृष्ठों की रचना करने वाले आप साहित्य के बेजोड़ साधक के रूप में युगों - युगों तक याद किये जाएंगे। मुनिराजों के साथ भव्य पंचकल्याणक व उनके साथ समयसार गोष्ठियों के सफल आयोजन ने आपको अमर कर दिया। आपके जीवनकाल में ही आपके व्यक्तित्व कृतित्व व साहित्य पर शोध कर अनेक विद्यार्थी एम.फिल. एवं पीएचडी की डिग्री प्राप्त कर चुके हैं। लाखों में जाकर ऐसा कोई गुदड़ी का लाल पैदा होता है जो हुकमचंद भारिल्ल जैसी ख्याति अर्जित कर पाता है। उनके इस चमन को बनाए रखने की जिम्मेदारी हम सबकी है ।आइये मिलकर इस मशाल को थामें और इसकी गौरव गरिमा को नित नई ऊंचाई प्रदान करें।

-जर्नलिस्ट डा.अखिल बंसल, जयपुर

महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा द्वारा सूखी होली खेलकर सबको दी होली की शुभकामनाएं एवं बधाई

नौगामा। रंगो का पर्व होली पर आज महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा के अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी ने बताया कि पर्यावरण को बनाते हुए सभी सूखी होली खेलेंगे सभी सभी वीर साथियों ने सभी बंधुओ को होली की शुभकामनाएं देते हुए एक दूसरे पर गुलाल से तिलक लगाकर होली की शुभकामनाएं दी एवं जल ही जीवन है जल है तो कल है होली के रंगों की तरह आपकी जिंदगी में भी खुशियों के रंग भर यही मेरी कामना है की जल की बचत करते हुए सभी ने सूखी होली खेली। महावीर इंटरनेशनल के पूरे परिवार को संदेश दिया कि बुराइयों को छोड़ अच्छाईओ को अपने आते हुए मानव मात्र की सेवा करनी है आईए इस अवसर पर घृणा एवं बुराइयों का दहन कर सामाजिक सद्भाव और भाईचारे को आत्मसात करें नए उत्साह एवं उमंग का स्वागत करें । शाखा के सचिव कैलाश पंचोरी, खुशपाल जैन, अमित गांधी, वैभव गांधी, अर्पित गांधी, उप सरपंच अखिल जैन, अखिल गांधी आदि ने सभी वीर साथियों को आभार प्रकट किया।

सिद्ध चक्र महामण्डल विधान में डॉ. शांती पाटिल का किया सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

वीतराग विज्ञान महिला मण्डल की अध्यक्ष श्रीमती सुशीला जैन अलवर वालों के सानिध्य में पंडित टोडरमल स्मारक भवन बापू नगर जयपुर के पंचतीर्थ जिनालय पर चल रहे श्री सिद्ध चक्र महामण्डल विधान के कार्यक्रम में ग्रंथाधिराज समयसार के प्रकाण्ड विद्वान डा. शांति कुमार पाटिल को वीतराग विज्ञान महिला मण्डल द्वारा सम्मानित किया गया। डा.पाटिल ने विधान पूजा के दोरान मुख्य - मुख्य अर्घो का अर्थ समझाया व रात्रि में पंडित संत कुमार द्वारा लिखित प्राचीन व सर्वाधिक किये जाने वाले श्री सिद्ध चक्र महामण्डल विधान पूजा की जयमाला का भावार्थ समझाया था। पंडित टोडरमल स्मारक भवन के मुख्य प्रवचनहाल में आयोजित समारोह में आगरा वाले प्रदीप जैन ने तिलक लगाकर व सी ए.प्रदीप जैन बापू नगर ने माला पहनाकर तथा विधान के मुख्य समन्वयक हीरा चन्द बैद ने शाल भेंट कर डा.शांति कुमार जी पाटिल को सम्मानित किया। इस अवसर पर तालियों के बीच वीतराग विज्ञान महिला मण्डल की अध्यक्ष श्रीमती सुशीला जैन अलवर वाली, महामंत्री श्रीमती प्रमिला जैन, कोषाध्यक्ष श्रीमती रेनू सेठी ने भी डा .पाटिल का बहुमान किया।

ढूंढो उत्सव एवं होली मिलन समारोह बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाई

नौगामा. शाबाश इंडिया। रंगों का पर्व होली दिगंबर जैन समाज नौगामा द्वारा बड़े हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया। प्रातः सुखोदय तीर्थ नसिया जी, 1008 भगवान महावीर समवशरण मंदिर, 1008 भगवान आदिनाथ मंदिर में विशेष शांति धारा हुई, दोपहर में ढूंढो उत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत दिगंबर जैन समाज के सभी बंधु इस वर्ष जिन महानुभाव के ढूंढो उत्सव का कार्यक्रम था उनके घर जाकर शिशुओ को आशीर्वाद दिया । उन घरों से सभी बंधुओ को प्रसाद एवं श्रीफल भेंट किए गए । सभी धर्म प्रेमी बंधु ढोल बाजे के साथ मंदिर जी में पहुंचे जहां पर विधानाचार्य रमेश चंद्र गांधी द्वारा जिन बच्चों का ढूंढो उत्सव इस वर्ष है जैन विधि से उन्हें संस्कारवान किया गया एवं णमोकार महामंत्र उनके कान में सुनाए गए । रक्षा सूत्र बाधे गए मामा पक्ष एवं ढूंढो उत्सव के सभी धर्म प्रेमी बंधुओ द्वारा नवनिर्माणधीन सुखोदय तीर्थ मंदिर के लिए दान की घोषणा की। इस अवसर पर विधानाचार्य रमेश चंद्र गांधी ने कहा कि नव संस्कारवान बच्चों को प्रतिदिन णमोकार मंत्र सुनाएं एवं सभी माता-पिता प्रतिदिन मंदिर में आकर पूजन करें यह संस्कार अपने बच्चों पर भी पड़ें। इस वर्ष नव विवाहित जोड़ों एवं ढूंढो उत्सव कार्यक्रम में सम्मिलित सभी ने मंदिर में सात परिक्रमा लगाई और श्रीजी को श्रीफल अर्पण किया । आज इस अवसर पर पंचोरी ने आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज को विद्यांजलि अर्पित के कार्यक्रम के सफल आयोजन पर नवयुग मंडल अध्यक्ष मुकेश गांधी कोषाध्यक्ष रमणलाल जैन, महिला मंडल अध्यक्ष विमला पंचोरी बहु मंडल अध्यक्ष भारती पंचोरी ने सभी का आभार प्रकट किया। उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी द्वारा दी गई।

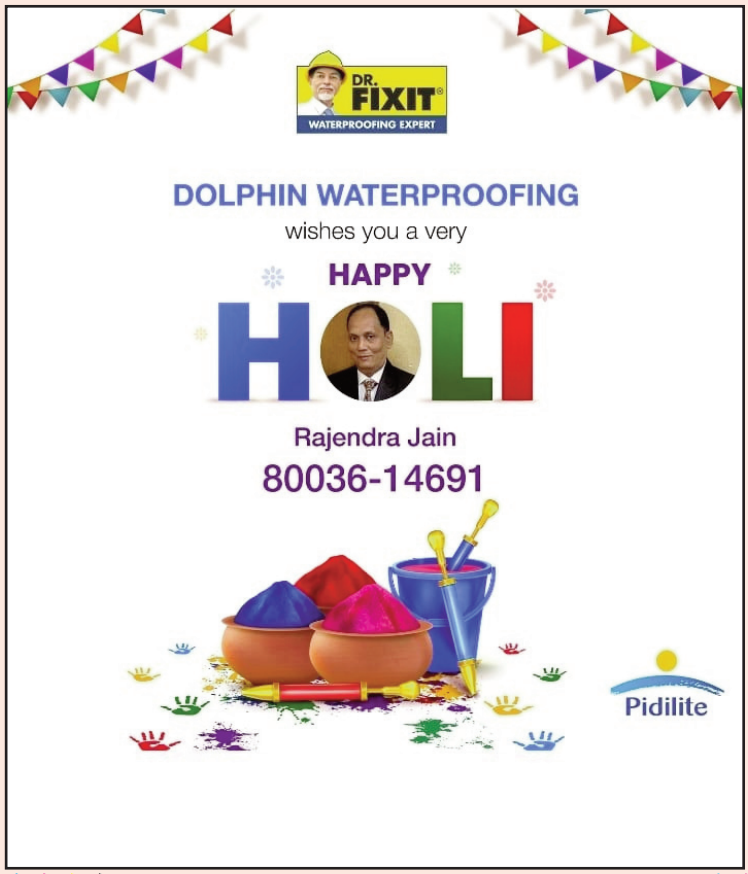

वेद ज्ञान

जीवन की सार्थकता

जीवन की सार्थकता कर्तव्य का समुचित रूप से निर्वाह करने में है। जो कर्तव्य हमें मिला है, जो कार्य हमें करने के लिए दिया गया है, उसे ही सहज भाषा में कर्तव्य कहते हैं। कर्तव्य का सही और श्रेष्ठ रूप में निर्वाह करने में ही बुद्धिमत्ता है। वैसे तो जीवन सभी को मिलता है, परंतु जो व्यक्ति जीवन को महान कार्य में समर्पित कर देता है, उसी का जीवन सफल है। जन्म और मृत्यु तो प्राकृतिक नियम है। यह तो होना ही है, परंतु कर्तव्य का समुचित नियोजन धर्म है। कर्तव्य के इस रहस्य को जीवन के मर्मज्ञ बखूबी जानते-समझते हैं और वे इसके लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने में पल भर भी देरी नहीं करते। शरीर और इसके भोग कर्तव्य मार्ग पर चलने वालों के लिए रोड़ा नहीं बनते। वे सर्वदा अपने कर्तव्य कर्म को वरीयता प्रदान करते हैं। कर्मक्षेत्र में केवल कर्म ही किए जाते हैं। यहां पर कर्म का ही मूल्य होता है और कर्म से ही जीवन की परिभाषा बनती है। सामान्य व्यक्ति इस रहस्य को नहीं जान पाने के कारण इतने बहुमूल्य जीवन को भोग के रूप में व्यर्थ ही गंवा बैठते हैं। वास्तव में कर्तव्य उससे निभता है, जिसके मन में साहस और हृदय में प्रीति है। साहसी ही साहस कर सकता है कि जो कार्य उसे दिया गया है, उसे वह कर सके। कर्तव्य को निभा पाना आसान नहीं है। वीर और पराक्रमी अपने जीवन की परवाह किए बगैर अपने लक्ष्य पर मिटते हैं। लक्ष्य के लिए वही मर मिट सकता है, जिसके भाव सघन होते हैं। ये दोनों बातें अर्थात साहस और शौर्य के साथ हृदय में झलकती भावना भी हो, तो वही कर्तव्य का समुचित निर्वहन होता है। एक की भी कमी हो जाए, तो समग्रता नहीं आ पाती है। जीवन सत्कर्मों के प्रभाव से विकसित और समुन्नत होता है और स्वार्थ-अहंकार के वशीभूत होकर पतन-पराभव के गर्भ में चला जाता है। जीवन उसका सफल है, जो औरों के काम आ सके, प्रेरणा का प्रकाश बन सके। ऐसे जीवन का छोटा-सा खंड (उम्र) भी शतायु पार करने वाले से उत्कृष्ट और महान होता है। वस्तुतः संसार में प्रत्येक मनुष्य का अपना स्वधर्म, कर्तव्य होता है और उस कर्तव्य को शानदार ढंग से निभाने के लिए भगवान कुछ अवसर भी देता है। जो इस अवसर का लाभ उठाकर अपने कार्य में तत्पर हो जाता है, उसी का जीवन सार्थक और प्रसन्न होता है।

संपादकीय

आतंकवाद अब भी दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती

मास्को में हुए आतंकी हमले से एक बार फिर यही रेखांकित हुआ है कि तमाम दावों और उपायों के बावजूद आतंकवाद दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है। दरअसल, आतंकियों ने रूस की राजधानी में हमला कर अपनी मौजूदगी जाहिर की है। गौरतलब है कि शुक्रवार रात मास्को के क्रोकस सिटी हाल में एक समारोह की शुरूआत के ठीक पहले कुछ आतंकियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें कम से कम एक सौ पंद्रह लोगों

की जान चली गई और भारी संख्या में लोग घायल हो गए। मरने वालों में कई बच्चे भी हैं। अभी यूक्रेन और रूस के बीच पिछले करीब दो वर्ष से युद्ध चल रहा है, इसलिए एक स्वाभाविक आशंका है कि यह हमला इसी की कड़ी हो सकता है। मगर यूक्रेन ने इस हमले में अपना हाथ होने से इनकार किया, वहीं खबरों के मुताबिक वैश्विक स्तर पर एक खौफनाक आतंकी संगठन माने जाने वाले इस्लामिक स्टेट ने इस गोलीबारी की जिम्मेदारी ली। अब आगे की व्यापक पड़ताल के बाद ही पता लगाया जा सकेगा कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है और उसका मकसद क्या था। हैरानी है कि रूस के जिन इलाकों को सबसे सुरक्षित माना जाता रहा है, वहां भी आतंकियों ने बर्बर हमला करके एक तरह से बड़ी चुनौती पेश की है। इस संदर्भ में अमेरिका का कहना है कि उसने रूस में ऐसे हमले की आशंका जताई थी, लेकिन लगता है कि रूस ने उस पर गौर नहीं किया। पिछले कुछ दशकों में दुनिया ने जिस तरह का आतंकवाद देखा है, उसके मद्देनजर अगर कहीं से केवल आशंका ही जाहिर की जाती या खुफिया सूचना मिलती है तो उसके बाद सावधानी बरतने की जरूरत है, ताकि शायद किसी आतंकी हमले को रोका जा सके। आतंकवादी संगठनों की कार्यशैली से दुनिया परिचित है कि उनका मकसद सिर्फ मानवता के विरुद्ध आतंक फैलाना है, भले इसके लिए अनगिनत निर्दोष लोगों, यहां तक कि मासूम बच्चों का भी कत्लेआम करना पड़े। असली चुनौती सरकारों के लिए है कि वे तमाम संसाधनों और सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद ऐसे आतंकी हमलों को रोक पाने में कैसे चूक जाती हैं। आतंकवाद को खत्म करने के लिए वैश्विक स्तर पर ठोस और साझा प्रयास की जरूरत है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

पद की मर्यादा

तमिलनाडु में एक मंत्री को शपथ दिलाने के मामले में वहां के राज्यपाल ने जिस तरह की जिद पकड़ ली थी, वह पहले ही सवालों के घेरे में थी। सुप्रीम कोर्ट ने स्वाभाविक ही उस पर राज्यपाल को फटकार लगाई। गौरतलब है कि राज्यपाल ने द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम के नेता के पोनमुडी को मंत्री पद की शपथ दिलाने से इनकार कर दिया था। हालांकि शीर्ष अदालत ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में पोनमुडी की दोषसिद्धि और सजा पर रोक लगा दी थी। इसके बावजूद राज्यपाल ने अपने रुख को नाहक ही प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाया हुआ था। इसी पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल अदालत की अवहेलना कर रहे हैं। अदालत ने केंद्र सरकार से भी पूछा कि अगर राज्यपाल संविधान का पालन नहीं करते, तो सरकार क्या करती है। उसके बाद राज्यपाल द्रमुक नेता को मंत्री पद की शपथ दिलाने को राजी हो गए। सवाल है कि क्या अब तमिलनाडु के राज्यपाल को अपने पद की मयार्दा के समांतर अपनी जिद और कानूनी स्थितियों पर विचार करने की जरूरत महसूस होगी! दरअसल, तमिलनाडु सरकार के साथ वहां के मौजूदा राज्यपाल के तल्ख रिश्ते छिपे नहीं हैं। राज्य सरकार ने उन पर कई बार अपने काम में बाधा डालने के आरोप लगाए हैं। कुछ समय पहले जब राज्य सरकार ने राजभवन की ओर से विधेयकों को मंजूरी देने में देरी करने पर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, तब अदालत ने साफ कहा था कि राज्यपाल को मंत्रिपरिषद की सलाह पर काम करना चाहिए। ताजा मामले में भी राज्यपाल ने कानून और तकनीकी पहलुओं का ध्यान रखे बगैर मंत्री को शपथ दिलाने से इनकार कर दिया। राज्यपाल से जुड़ी कुछ संवैधानिक व्यवस्थाएं हैं, जिनका पालन करना इस पद की गरिमा को बनाए रखने के लिए जरूरी है। मगर हाल के वर्षों में कई राज्यों में जिस तरह इस पहलू

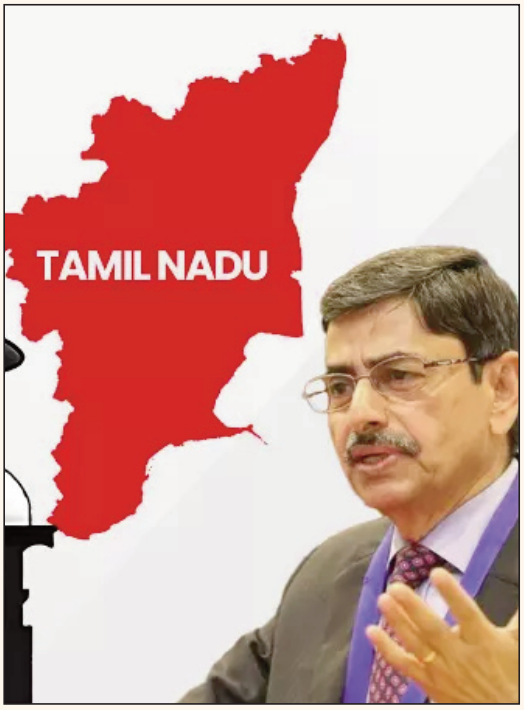

की अनदेखी होती दिखी है, अगर इसे रोका नहीं गया तो इसका आखिरी नुकसान लोकतंत्र को होगा।

जैन गौरव अशोक जी सुशीला जी पाटनी का श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर की कमेटी नें किया भव्य स्वागत सम्मान

किशनगढ़, अजमेर. शाबाश इंडिया। किशनगढ़, अजमेर में चल रहे अष्ठानिका पर्व विधान मे जैन समाज की और से श्रमण संस्कृति संस्था सांगानेर कमेटी ने कार्याध्यक्ष प्रमोद-नीना पहाड़िया के नेतृत्व में जैन गौरव अशोक सुशीला पाटनी आर के मार्बल किशनगढ़ का भव्य स्वागत व सम्मान किया। संस्थान के परामर्शक एवं शिरोमणि संरक्षक भारत गौरव अशोक जी सुशीला जी पाटनी की 50वीं वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष में दिनांक 24 मार्च 2024 को श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर किशनगढ़ में सम्मान समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस अवसर पर प्रमोद नीना पहाड़िया , प्राचार्य पंडित अरुण शास्त्री, उतम पाटनी, सुरेश कसलीवाल, दर्शन विनीता जैन, संजय पांड्या, मुकेश बैनाडा, दैनिक समाचार जगत के प्रधान संपादक शैलेंद्र गोधा, विनोद छाबड़ा मोनू, ज्ञानचंद झांझरी, प्रदीप लुहड़िया आदि अनेक गणमान्य श्रावको ने जैन गौरव अशोक पाटनी सुशीला पाटनी का माल्यार्पण कर, स्मृति चिन्ह देकर स्वागत सम्मान किया। इस भव्य सम्मान समारोह का संचालन पंडित किरण प्रकाश ने किया।

महिला जैन मिलन नेहानगर शाखा के चुनाव संपन्न

ऋतु जैन अध्यक्ष, शालिनी बजाज मंत्री बनी

मनीष शास्त्री विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

सागर। महिला जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 10 के वार्षिक चुनाव, जैन धर्मशाला में मासिक बैठक में संपन्न हुए । बैठक का प्रारंभ भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीपप्रज्वलन एवं महावीर वंदना से प्रारंभ हुआ। बैठक में महिला मिलन की महामंत्री द्वारा वार्षिक गतिविधियों की जानकारी दी गई एवं कोषाध्यक्ष द्वारा लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया। महिला मिलन नेहानगर शाखा के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सदस्यों की उपस्थिति में चुनाव की कार्यवाही संपन्न की गई जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए वीरांगना ऋतु जैन को पुनः अध्यक्ष नियुक्त किया गया। मंत्री वीरांगना शालिनी बजाज, कोषाध्यक्ष वीरांगना संध्या जैन, वीरांगना ज्योति जैन प्रचानमंत्री सर्वसम्मति से बनाया गई। राष्ट्रीय संयोजिका वीरांगना संगीता चंदेरिया के द्वारा क्षेत्रीय संयोजिका वीरांगना अनीता जैन एवं पूर्व अध्यक्ष वीरांगना ऋतु जैन को पुरस्कार दिया गया। बैठक में मुख्य रूप से राष्ट्रीय संयोजिका वीरांगना संगीता चंदेरिया, क्षेत्रीय संयोजिका वीरांगना अनीता जैन, संरक्षिका वीरांगना किरण जैन, नवनिर्वाचित अध्यक्ष वीरांगना ऋतु जैन, कोषाध्यक्ष वीरांगना संध्या जैन,सचिव वीरांगना शालिनी बजाज, वीरांगना मनीषा चंदेरिया, वीरांगना प्रीति जैन, वीरांगना नीता बड़कुल, वीरांगना स्मिता जैन, वीरांगना दीपिका जैन, वीरांगना प्राची जैन आदि शामिल रही।

होली पर जैन सोश्यल ग्रुप सीकर द्वारा ''मोहे रंग दे'' कार्यक्रम का आयोजन

सीकर. शाबाश इंडिया। होली पर सीकर जैन समाज की पारिवारिक संस्था जैन सोश्यल ग्रुप द्वारा पारिवारिक डांस कार्यक्रम 'मोहे रंग दे' आयोजित किया गया। कार्यक्रम संयोजक विवेक पाटोदी व अंशु जैन ने बताया कि स्थानीय सालासर रोड़ स्थित गोपीनाथ सेवा सदन में आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रुप के सभी आयुवर्ग के सदस्य सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में होली की संगीतमय धुनो पर फूलों और गुलाल की होली खेली गई। बॉलीवुड गीतों पर सभी सदस्यों ने खूब आनंद लिया। कार्यक्रम संयोजक राकेश पहाड़िया, निशांत गंगवाल, मनोज सेठी ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में सोश्यल ग्रुप परिवार के सभी सदस्य सम्मिलित हुए।

आचार्य सुनील सागर जी को नेमीसागर के लिए श्री फल चढ़ाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज को राणा जी की नसिया में ससंघ नेमिसागर कॉलोनी जैन मंदिर पधारने के लिए श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन समाज समिति ने समस्त समाज के साथ श्री फल चढाकर कर निवेदन किया। अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि आचार्य श्री वैशाली नगर में नवनिर्मित जिनालय का पंचकल्याण संपन्न कराने हेतु वैशाली नगर पधार रहे हमारी भावना हमने आचार्य श्री को श्री फल चढाकर व्यक्त की आपके चरण कमल नेमि सागर कॉलोनी में पड़ जाए यह हमारा सौभाग्य होगा आचार्य श्री ने पूरे समाज को आशीर्वाद प्रदान किया। समाज के उपाध्यक्ष अनिल जैन धुआँ वाले, पदम पहाड़िया, एन के जैन, हंसराज गंगवाल राजेश गंगवाल निर्मल कासलीवाल, राधेश्याम बेराठी व समाज के अनेक गण मान्य लोगों को मौजुद थे।

बेटी के जन्मदिन पर मजदूरों के बीच जाकर बाटी खुशियां

बच्चों सहित महिलाओं और बुजुर्गों को दिए उपहार

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अम्बाह। कहते हैं बेटे भाग्य से तो बेटियां सौभाग्य से जन्म लेती है। समाज मे बेटियो के प्रति सोंच बदलने में जैन बगीची रोड़ के एक परिवार ने शनिवार को मिसाल कायम की। रिटायर्ड शिक्षक नरेश जैन गुरु ने अपनी नातिनी ऐरा के जन्मदिन की खुशी में न केवल गरीब मजदूरों के बीच जाकर जश्न मनाया बल्कि प्रति वर्ष इस मौके पर वंचित शोषित एवं गरीबों की सेवा करने का संकल्प भी लिया। इस मौके पर मुरैना रोड स्थित एक ईंट भट्ठा पर ऐरा के जन्मदिन पर नवीन पहल करते हुए नरेश जैन के परिजनों ने प्रत्येक मजदूर परिवार को भोजन हेतु बर्तनों का सेट भेंट किया। इसके साथ ही बालिकाओं एवं बच्चों को पिचकारी एवं होली की मिठाई सहित शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई इस मौके पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जिनेश जैन ने कहा कि बेटा और बेटी दोनों ही अनमोल होते हैं ईश्वर की कृतियों में भेद नहीं होना चाहिए बेटी हमारे लिए ईश्वर का अनमोल उपहार है नरेश जैन के परिवार ने जो पहल शुरू की है वह सराहनीय है उन्होंने आमजन से भी बेटा और बेटी में भेद न करने की अपील की कार्यक्रम में मौजूद नरेश जैन गुरु ने कहा कि वेदों में कन्याओं को देवी स्वरूप ही बताया गया है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों के बीच जाकर खुशियां बांटने से जिस संतुष्टि का सुखद आभास होता है वह कहीं और नहीं हो पाता है एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते यदि हम अपनी खुशियों के इन पलों को अपने आसपास जरूरतमंद लोगों के बीच मिलकर बांटने का काम करें तो समाज में समानता का संदेश जायेगा उन्होंने कहा कि इन बच्चों के चेहरे की खुशियां साथ ही यहां मुझे जो आत्मीयता की बरसात मिली है वह किसी भी पुरुस्कार से कम नहीं है। वही इस आयोजन में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जिनेश जैन, नरेश जैन गुरुजी, प्रीति जैन, संकल्प जैन, श्रीमती मंजू जैन, महेश चंद्र जैन सहित अनेक लोग मौजूद थे।

वरिष्ठ चित्रकार पुष्पा पांड्या का किया सम्मान

इंदौर. शाबाश इंडिया। आचार्य विध्यासागरजी महाराज के जीवन पर आधारित पचास फुट की पैंटिंग 'आचार्य श्री की जीवन गाथा' बनाने के लिए जिसका अनावरण कर्नाटक के राज्यपाल ने किया था, वरिष्ठ चित्रकार पुष्पा पांड्या को शाल पहना कर महिला परिषद की राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मला जैन ने सम्मानित किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव प्रभा जैन ,राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सरला सामरिया, कोशल्याज पतंग्या, सोनाली जैन व अनिता तथा उदयनगर समाज के सम्माननिय अतिथि पी. सी. जैन, जितेंद्र, मोनिका जैन, तेजकुमार, ममता गंगवाल (गंगवाल फूड्स), कांतिकुमार, चंचल पाटनी आदि उपस्थित थे।

विद्यासागर पाठशाला दुर्गापुरा जयपुर के बच्चों ने की नन्दीश्वर द्वीप महामण्डल पूजा

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैनाचार्य विद्यासागर पाठशाला दुर्गापुरा जयपुर के बच्चों ने रविवार दिनांक 24.03.2024 नन्दीश्वर द्वीप महा मण्डल विधान पूजा की। ट्रस्ट मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि विधान में श्रद्धालुओं के साथ बैठकर आचार्य श्री विद्यासागर जी महा मुनिराज की पूजन भी बड़े भक्ति भाव से की।

श्री अनिल जैन-श्रीमती ज्योति जैन

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

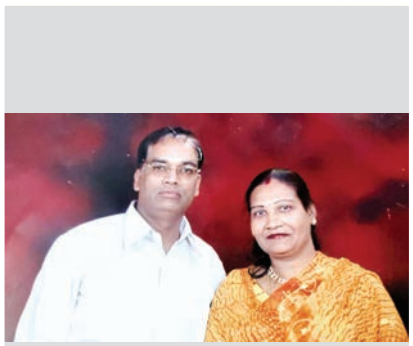

26 मार्च' 24

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या

संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका

सचिव: राजेश - रानी पाटनी

कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन

सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

नाटकवाला कला मंच पर शहीद दिवस पर नाटक "पतंग और पेड़" का मंचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व वन दिवस एवं जल दिवस के उपलक्ष में नाटकवाला कला मंच पर कला, संस्कृति, साहित्य एवं पुरातत्व विभाग राजस्थान सरकार के सहयोग एवं नाटकवाला कला मंच के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क नाट्य कार्यशाला में तैयार नाटक 'पतंग और पेड़' का मंचन किया गया। जिसका निर्देशन जयपुर के असलम खान एवं नाट्य लेखन ओम प्रकाश सैनी ने किया हैं। नाटक पतंग और पेड़ में दो परिवारों की कहानी है, एक गरीब परिवार का बच्चा राजू, दूसरा अमीर परिवार का बच्चा मोनू, गरीब परिवार के बच्चे राजू के पास पतंग नहीं है लेकिन वो पतंग उड़ाना जानता हैं और उड़ाना चाहता है। अमीर बच्चे मोनू के पास पतंग हैं और उडाता भी हैं पर उड़ाना नहीं जानता तो उड़ा नहीं पाता और उसकी पतंग बार बार घर के पास पेड़ में अटक जाती हैं और वो रोने लगता है पापाजी से पेड़ को कटाने की जिद करता है। मोनू की माँ भी उस पेड़ से परेशान रहती है उस पेड़ के पत्ते हमेशा घर में कचरा कर देते है । मोनू की जिद और अपनी परेशानी से तंग होकर मोनू की माँ, मोनू के पापा को पेड़ काटने पर मजबूर कर देती है जबकि वो पेड़ काटना नहीं चाहता है और पेड़ कटवा देता है । जबकि राजू के पास पतंग ना होने और पतंग ना लूट पाने की वजह से भगवान से प्रार्थना करता है की इस पेड़ पर बहुत सारी पतंगे अटक जाये तो वो पेड़ में चढ़कर उतार लेगा और पतंग उड़ा सकेगा । लेकिन पेड़ कट जाने पर राजू बहुत दुःखी होता है फिर भगवान को कोसता है की भगवान तूने पेड़ क्यों कटाया अब मैं कैसे पतंग उड़ाऊंगा लेकिन राजू हिम्मत नहीं हारता मासूम राजू उस पेड़ की जगह पर एक नया पेड़ लगाता है और उसमें रोज पानी देने लगता है। ये सब मोनू के पापा और मोनू दोनों देखते है और राजू से पूछते है तुम ऐसा क्यों कर रहा है वो सारी बात उन्हें बताता है तो मोनू और उसके पापा अपने आप पर दुःखी होते है की उन्होंने ही पेड़ कटवाया था फिर दोनों पश्चाताप करते है और मोनू राजू को अपनी पतंग दे देता हैं और राजू मोनू को पतंग उड़ाना सीखा देता हैं। दोनों खुश हो जाते है। मोनू के पापा पेड़ में पानी देते है, एक दिन पेड़ हरा भरा बड़ा हो जाता है। नाटक हमे पेड़ बचाओ और पेड़ लगाओ का सन्देश देता है। 23 मार्च को भारत देश को आजादी दिलाने वाले वीर शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव जी को फांसी दी गयी थी उनकी पुण्यतिथि पर नाटकवाला मंच में नाटक के बाद श्रद्धांजलि, देश भक्ति गीत गाकर दी। नाटक के कलाकार ओम प्रकाश, आयुष, युग, अमन, अंजली, अवनी, तनीषा, देवराज, लक्षित, आयुष्मान, सह निर्देशन प्रकाश व्यवस्था अनिरुद्ध सैनी संगीत संयोजन आदित्य सैनी एवं मंच सज्जा गोपाल प्रसाद, मंच संचालन विकास सैनी।

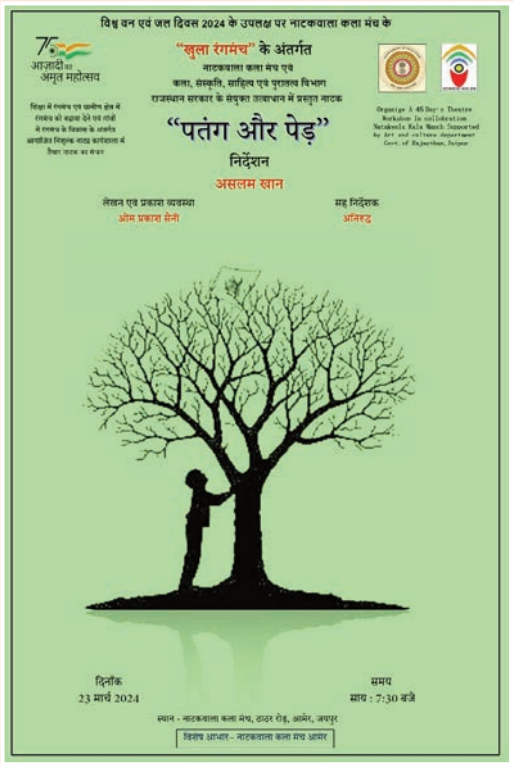

सबसे प्राचीन सनातन धर्म, जैन धर्म है, प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का जन्मकल्याणक धूमधाम से मनाये आगरा सकल जैन समाज: क्रांतिवीर मुनि श्री प्रतीकसागर जी महाराज

आगरा. शाबाश इंडिया

अपने इतिहास को छोटा न करें तीर्थंकर भगवान महावीर को तो हुए मात्र लगभग 2500 वर्ष हुए हैं परन्तु प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव को हुए करोडों वर्ष हो चुके हैं। परन्तु जैन समाज की एक चूक से कि वह अन्तिम तीर्थंकर भगवान महावीर के जन्मकल्याणक महोत्सव को तो बहुत धूमधाम से पूरे भारत में मनाता है, परन्तु प्राचीन सनातन प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के जन्मकल्याणक को भूल जाता है। यही कारण हैं कि हर जगह जैन धर्म की पहचान मात्र 2500 वर्ष पुरानी समझी जाती है। इस सोच को बदलने की जरूरत है प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का जन्मकल्याणक महोत्सव भगवान महावीर जन्म कल्याणक से भी बड़े आयोजन के रूप में मनाए आगरा सकल जैन समाजे यह उद्गार कमलानगर के श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर में आयोजित धर्म सभा में उस समय किए जब नौर्थ ईदगाह कॉलोनी जैन समाज ने आगामी 3 अप्रैल को पड़ रही भगवान ऋषभदेव जन्मकल्याणक महोत्सव के नॉर्थ ईदगाह में हो रहे आयोजन मे सानिध्यता प्रदान करने हेतु श्रीफल अर्पण करने आये।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

शांतिनाथ जिनालय सर्वोदय कॉलोनी अजमेर में सिद्ध चक्र विधान संपन्न

अजमेर. शाबाश इंडिया

शांतिनाथ जिनालय सर्वोदय कॉलोनी अजमेर में 9 दिन का सिद्ध चक्र विधान किया जिसका धुलंडी के दिन विसर्जन समापन किया गयो रेनू पाटनी ने बताया कि 25 मार्च को सुबह अभय जैन मधु जैन परिवार द्वारा 108 कलश व शांति धारा शांतिनाथ भगवान की एवं नवीन नीलिमा पाटनी परिवार द्वारा भगवान महावीर स्वामी की शांति धारा की गई और 108 कलश के मंत्र मधु जैन के द्वारा बोले गए। नित्य नियम पूजा के साथ ही धन लुहाडिया द्वारा हवन कराकर विधान का विसर्जन किया गया। बाद में विधान में बैठने वालों को मंत्री विनय गदिया ने सभी को शुभकामनाएं दी। कमल कासलीवाल, अशोक सुरलाया, महेश गंगवाल, भागचंद बडजात्या, सुभाष गंगवाल, विनय गदिया द्वारा विधान मे सहयोग दिया। मनीष पाटनी ने बताया कि होली के दिन भजन सम्राट निर्मल गंगवाल टीम के द्वारा भजनों की शानदार प्रस्तुति की गई जिसमें सभी ने मिलकर भक्ति की। अनिल पाटनी, ताराचंद सेठी, दीपक पाटनी, विरेंद्र पाटनी, दिनेश पाटनी, मुकेश पाटनी, सुयोग गंगवाल, विनय पाटनी, छीतरमल गदिया, रूप छाबड़ा, योगेन्द्र गदिया, सौरभ सुरलाया, सुगनजी सुरलाया आदि समाज के प्रतिष्ठित लोग मौजूद थे। अध्यक्ष विजय दनगसिया ने सभी का आभार व्यक्त किया बाद में सभी को मोदक वितरण किया गया।

भगवा होली महोत्सव का मन मोहक कार्यक्रम आयोजित

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। विश्व हिंदू परिषद ,बजरंग दल द्वारा गत 24 मार्च रविवार शहर में भगवा होली महोत्सव का मन मोहक कार्यक्रम किया गया जिसमें कार्यक्रम की शुरूआत अनाज मंडी 29 नंबर दुकान से शहर वासियों के साथ भगवा गुलाल, पुष्प की होली, राजस्थानी ढफ, धमाल , कृष्ण राधा गोपियां की सुंदर झांकी के साथ मुख्य बाजार से होते हुए उधम सिंह चौक नचिकेतन मॉडल स्कूल में समापन किया गया। कार्यक्रम में 11ईनाम भी निकाले गए। कार्यकर्म की शुरूआत परम पूज्य गुरुदेव श्री श्री 108श्री भरत मुनि जी द्वारा की गई। स्वागत करता ऐलनाबाद नामधारी गुरुद्वारा अध्यक्ष सरदार रघुवीर सिंह जी सग्गू, स्वागत करता अनाज मंडी मजदूर यूनियन के प्रधान दौलत राम पचेरवाल थे। आए हुए अतिथियों का स्वागत विहिप विभाग अध्यक्ष ब्रजमोहन शर्मा, जिला अध्यक्ष हरि कृष्ण गोयल, जिला उपाध्यक्ष बलवीर शर्मा, जिला गौ सेवा प्रमुख सुरेश गोयल, संगठन के समस्त पदाधिकारी ने मिलकर आए हुए अतिथियों का मान सम्मान किया। विश्व हिंदू परिषद शहर वासियों का, पुलिस प्रशासन का, फायर ब्रिगेड अधिकारी का, मेरे समस्त मीडिया प्रभारी पत्रकार बंधुओ का सभी अन्य संगठनों का कार्यक्रम को सफल करने पर बहुत-बहुत धन्यवाद किया।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से

प्रेम, सेवा, करूणा, भक्ति से भरी प्रार्थनाएं..
जीवन के सभी बन्धनों से मुक्त करने की सामर्थ्य रखते हैं।

जीवन का उद्देश्य सभी जीवों के प्रति प्रेम, सहयोग की भावनाओं को विकसित करने का होना चाहिए। जीव मात्र से प्रेम, सेवा और सहयोग का होना चाहिए। माना कि विज्ञान और प्रौद्योगिकीय ने सुख सुविधाओं के अनेक संसाधनों में खूब प्रगति की है, लेकिन मन की शान्ति और चेहरे की प्रसन्नता भी छीन ली है। शिक्षा के क्षेत्र में खूब प्रगति की, लेकिन चरित्र में पतन और नैतिक आचरण में दिन-प्रतिदिन गिरावट बढ़ती जा रही है। आधुनिक शिक्षा और भौतिक संसाधनों ने आदमी को पक्षी की तरह उड़ना तो सिखाया, मछली की तरह जल में तैरना भी सिखाया लेकिन इन्सान की तरह चलना और जीना नहीं सीखा पाया। इसलिए आज कई लोग वातानुकूलित कमरों में आत्महत्या कर रहे हैं और नौजवान से लेकर परिवार के गर्जन नींद की गोलियां खाकर भी सूकून की नींद नहीं सो पा रहे हैं। क्योंकि उनके पास सुख सुविधाओं के नाम सब कुछ है, लेकिन मन की शान्ति और चेहरे की प्रसन्नता ऐसे चली गई जैसे सूरज निकलने के बाद उल्लू गोल हो जाते हैं। भारत की भूमि पर जन्म लेना और मनुष्य जीवन पाना, ऐसा ही है जैसे सुई के छेद से हाथी को निकालना। इसलिए मनुष्य जीवन के सुखद भविष्य के लिए प्रेम, करूणा, सेवा, सहयोग, सदभाव, मैत्री से ओतप्रोत होकर प्रार्थना करो सुखी रहे सब जीव जगत के, कोई कभी ना घबरावे... ! **-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

नंदीश्वर द्वीप महामंडल विधान का हुआ भव्य आयोजन

सनावद. शाबाश इंडिया। श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मन्दिर में अष्टान्हिका महापर्व के उपलक्ष में 17 से 24 मार्च तक हुई अष्ट दिवसीय नंदीश्वर द्वीप मंडल विधान की विशेष पूजन का रविवार को समापन हुआ। श्रद्धालुओं ने अकृतिम जिन चैत्यालयों में विराजमान तीर्थंकरों के जिनबिम्बों की पूजन कर अर्घ्य समर्पित कर पुण्य लाभ लिया। उपरोक्त जानकारी देते हुए डॉ. नरेन्द्र जैन भारती ने बताया कि प्रातः 7 बजे से सुपार्श्वनाथ स्वामी का प्रच्छाल जलाभिषेक, शांतिधारा में संतोष बाकलीवाल, नरेश पाटनी, कमलेश भूच,राजेश चौधरी, निलेश बाकलीवाल, सत्येंद्र जैन, शैलेंद्र जैन ने भाग लिया। तत्पश्चात सहज, सरल तथा भक्ति के प्रतीक नंदीश्वरद्वीप वृहद विधान की 52 विशेष पूजन में हीरामणि भूच, मीना बाकलीवाल, चेतना गोधा, संगीता बाकलीवाल, हेमलता चौधरी, रजनी भूच, मंजू पाटनी,संध्या जैन, रेखा भूच, मधु भूच, अंजू पाटनी, मंदा भूच, संगीता पाटोदी, मंजुला भूच, सपना जैन ने पूजन कर चारों दिशाओं में एक-एक दिशा में स्थित 13-13 जिनालयों में विराजमान जिनबिम्बों को भाव सहित स्मरण में लाकर नंदीश्वर द्वीप के मंडल पर अर्घ्य सहित गोला चढ़ाकर अपनी भक्ति भावना व्यक्त की।

अष्टानिका उपवास व्रती किरण बड़जात्या सम्मानित

लाडनूं. शाबाश इंडिया। दिगंबर समाज में धार्मिक आयोजन अष्टानिका पर्व के अवसर पर किरण देवी बड़जात्या (ध.प.- नरेंद्र बड़जात्या) ने तप, त्याग,संयम व समता के साथ 9 दिवसीय उपवास संपन्न किए। इस अवसर पर किरण बड़जात्या की गाजे-बाजो व रथ के साथ शोभायात्रा आयोजित की गई व उनके द्वारा नगर के विभिन्न मंदिरों में दर्शन अर्चना के साथ श्रीफल भेंट किए गये। श्री दिगम्बर जैन पंचायत व श्री चंद्रसागर स्मारक मंदिर ट्रस्ट द्वारा किरण बड़जात्या का प्रशस्ति पत्र,माल्यार्पण व स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत सम्मान किया गया व उनके त्याग व तपस्या की अनुमोदना की गई। बड़जात्या परिवार द्वारा समाज के सम्मान में जैन भवन में अल्पाहार का आयोजन कर सत्कार किया गया। किरण बड़जात्या पूर्व में भी 3 दशलक्षण व्रत व अनेक उपवास कर चुकी है ।

मधुवन में वर्षों बाद निकली अंष्टानिका महापर्व के समापन रथयात्रा

फाल्गुन महोत्सव में देशभर से उमड़ा भक्तों का जनसैलाब। बंगाल विहार उड़ीसा तीर्थ क्षेत्र कमेटी के नये नेतृत्व में कुछ करने की लगन दिख रही हैं: विजय धुर्रा

मधुवन शिखर जी. शाबाश इंडिया

श्री शस्वत तीर्थ राज सम्मेद शिखर जी में अंष्टानिका महापर्व के अवसर पर संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी के आशीर्वाद से आयोजित श्री सिद्ध चक्र महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ के समापन पर बंगाल विहार उड़ीसा तीर्थ क्षेत्र कमेटी के तत्वावधान में भगवान जिनेन्द्र देव की भव्य रथयात्रा फाल्गुन महोत्सव के रूप में आयोजित की गई। इसके पहले तेरह पंथी कोठी स्थिति मूलनायक भगवान श्री पुष्पदंत स्वामी का अभिषेक के साथ जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा परम पूज्य उपाध्याय श्री विभ्जन सागर जी महाराज के श्री मुख से की गई, जिसका सौभाग्य तीर्थ कमेटी के अध्यक्ष अजीत पंड्या कोलकाता, जैन राजनैतिक चेतना मंच के राष्ट्रीय कार्य अध्यक्ष हुकम काका कोटा, राजेन्द्र कुमार प्रकाश हरसौरा परिवार कोटा, मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा, अशोक नगर राजेश कुमार शिवपुरी मध्यप्रदेश के साथ ही अन्य भक्तों द्वारा की गई। **तीन दिवसीय फाल्गुन महोत्सव में शामिल होने पहुंचे देशभर के भक्त:** तीन दिवसीय फाल्गुन महोत्सव के पहले दिन भगवान जिनेन्द्र देव की भव्य रथयात्रा तेरह पंथी कोठी के मुख्य प्रांगण से हुई जहां रथ के सारथी बनकर रथ को चलाने का सौभाग्य तेरह पंथी कोठी के अध्यक्ष अजीत पंड्या को मिला वहीं भगवान को लेकर रथ में चलने का सौभाग्य जैन राजनैतिक चेतना मंच के राष्ट्रीय कार्य अध्यक्ष एवं सिद्ध चक्र महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ कर्ता परिवार राजेन्द्र कुमार प्रकाश हुकम काका प्रतीक हरसौरा परिवार कोटा को मिला। तीर्थ राज में विराजमान सब साधु संतों के सान्निध्य में ये भव्य शोभायात्रा तेरह पंथी कोठी से बंगला जैन पथ भोमिया जी गुणायतन श्सवत तीर्थ होते हुए पाडूकशिला परिसर में पहुंच कर विशाल धर्मसभा में वदल गई।

वर्षो वाद हो रही रथयात्रा से नवीन कमेटी की इच्छा शक्ति का पता लगता हैं: विजय धुर्रा

जहां भारत वर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी तीर्थ वंदना के पूर्व सम्पादक विजय धुर्रा ने कहा कि वर्षो वाद तीर्थ राज सम्मेद शिखर जी अंष्टानिका महापर्व के समापन पर रथयात्रा निकाली जा रही है इससे नवीन कमेटी के कार्य करने की इच्छा शक्ति का पता लगता है इस वर्ष अंष्टानिका महापर्व पर सिद्ध चक्र महा मंडल विधान विश्व शांति कराने का सौभाग्य भारत वर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हुकम काका राजेन्द्र कुमार प्रकाश जी प्रतीक हरसौरा परिवार कोटा को मिला। जहां विश्व शांति महायज्ञ के समापन पर सवा करोड़ मंत्रों की आहुतियां देकर विश्व शांति की कामना की गई जैन दर्शन ही ऐसा दर्शन हैं जहां कृत कारित और अनुमोदना के माध्यम से व्यक्ति अपने साथ दुसरो के मंगल की कामना हर अनुष्ठान में करता रहता है। दिनेश दगड़ा ने कहा कि वर्तमान कमेटी के कार्यकाल में ये पहला बड़ा आयोजन आप सभी की उपस्थिति में सम्पन्न हो रहा है।

गुरु मुख से हुई पांडुशिला पर शान्ति धारा: इस दौरान मंगलाष्टक आर्यिका श्री चैत्यमति माताजी के श्री मुख से हुआ वहीं मुनि श्री उत्कर्ष सागर जी महाराज ने शान्ति धारा मंत्रोच्चार

कर सभी को आशीर्वाद दिया इस दौरान पाडूक शिला पर एक ओर से पहला कलश अजित पंड्या ने वही दूसरी ओर से हुकम काका कोटा दारा किया गया। आरती महावीर संजय काला राखी काला इस्पात कलकत्ता परिवार द्वारा उतारी गई। इस दौरान सभी अतिथियों का सत्कार कमेटी के अध्यक्ष अजीत पंड्या महामंत्री विनीत झांझरी अजित पंड्या कोल्कता दिलीप वोरह दिनेश दगड़ा सतेन्द्र बाकलीवाल कोषाध्यक्ष सन्तोष सेठी सतेन्द्र गोधा विनीत कासलीवाल सहित अन्य प्रमुख जनो ने किया। बाद में रथ में भगवान को विराजमान कर नाचते गाते भक्ति करने के साथ भक्त रथयात्रा में चलते हुए तेरह पंथी कोठी पहुंचे जहां भगवान के कलशाविषेक का आयोजन किया गया। रात्रि में आरती के बाद मयूर जैन इन्दौर एवं दिनेश दगड़ा कोल्कता के मधुर भजनों के साथ संगीत निशा का आयोजन किया गया तीन दिन तक चलने वाले इस महोत्सव में सभी भक्त भगवान के दर्शन का विशेष लाभ ले रहे हैं।

सिद्ध चक्र विधान सानंद सम्पन्न

श्री जी की भव्य शोभायात्रा निकाली

किशनगढ़, अजमेर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर जी सिटी रोड़ में फाल्गुन मास की अष्टमी से प्रारम्भ अष्टानिका पर्व के अंतर्गत अष्ट दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान महोत्सव का आज समापन हों गया। कार्यक्रम संयोजक इंदर चंद पाटनी ने बताया की सर्वप्रथम प्रातः भगवान के अभिषेक एवं शांतिधारा सम्पन्न हुई जिसका पुण्यार्जन सोधर्म इन्द्र आर के मार्बल परिवार, यज्ञ नायक आनंद कनकलता बज परिवार, प्रति इन्द्र भागचंद अनिल कुमार सम्यक गंगवाल को प्राप्त हुआ ततपश्चात विधान समापन की पुजा एवं जयमाला सम्पन्न हुई फिर विधान का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर श्री आदिनाथ मंदिर से श्री जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी जो औसवाली मोहल्ला, मुख्य चोराया, तेली मोहल्ला आर के हाउस होते हुए पुन आदिनाथ मंदिर जी पहुंची वहा पर भगवान के कलशाभिषेक किये गए। विधान समापन के साथ विश्व शांति 21 कुण्डीय महायज्ञ सम्पन्न हुआ जिसमे 584621 मंत्रो का जाप हुआ सर्वोच्च 112500 जाप करने वालें राकेश पहाड़िया का सम्मान किया गया। इस अवसर पर श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर से पधारे उपाचार्य डॉ किरण प्रकाश शास्त्री का आदिनाथ पंचायत एवं सोधर्म इंद्र आर के मार्बल परिवार द्वारा शॉल साफा एवं प्रशस्ती चिन्ह भेंट करके सम्मान किया गया। सुप्रसिद्ध संगीतकार अजीत पांड्या, इंदर चंद पाटनी, अभिषेक भैया, रोहित भैया, अनिरुद्ध भैया, कमल सेठी, राकेश काला, ज्ञानचंद पाटनी, पवन लुहाड़िया, सुभाष चौधरी का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में आर के मार्बल परिवार से कंवरीलाल पाटनी, अशोक कुमार पाटनी, सुरेश पाटनी, सुशीला पाटनी, शांता पाटनी, शुचि पाटनी के साथ आदिनाथ पंचायत के अध्यक्ष प्रकाश चंद गंगवाल, महावीर प्रसाद गंगवाल, विनोद चौधरी, इंदरचंद पाटनी, सुधीर भुंच, पदम कोठारी, सज्जन कटारिया, पवन लुहाड़िया, सी. एम अग्रवाल, राजेश पांड्या, अतुल लुहाड़िया, संजय पापड़ीवाल, सुभाष चौधरी, संजय पांड्या, अशोक पाटनी, संजय झांझरी, नोरत मल पाटनी, राकेश पाटनी, नरेश दगड़ा सहित अनेक श्रावक श्राविका उपस्थित थे। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी मोना झांझरी ने बताया कि आदिनाथ मंदिर में 24 तीर्थंकरों का पालन महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया जिसमें भगवान आदिनाथ से लेकर भगवान महावीर तक सभी भगवान के माता-पिता की भूमिका में पालना झुलाया नृत्य करते हुए इसमें पुरुष वर्ग से आदिनाथ पंचायत के अध्यक्ष प्रकाश गंगवाल, मंत्री विनोद चौधरी, देवेंद्र झांझरी, दीपक रारा, मुकेश पापड़ीवाल, दिनेश दगड़ा, सुनील दगड़ा, कैलाश पहाड़िया, पंकज पहाड़िया, दीपक गदिया, पुरण टोंगिया, संजय झांझरी, कमल सेठी, आनंद बज, स्वास्तिक पहाड़िया, राहुल गंगवाल, प्रदीप गंगवाल, अमित बड़जात्या, महेंद्र गंगवाल, इंदर पाटनी आदि ने पिता की एवम महिला वर्ग से निर्मला गंगवाल सुशीला चौधरी, मोना झांझरी, अंतिम झांझरी, निशा रारा, मुन्नी दगडा,शशि दगड़ा, रेखा टोंग्या, संतोष पाटनी, पुष्पा सेठी, संगीता गंगवाल ,प्रिया पहाड़िया, पूनम गदिया, सरिता पहाड़िया, कनकलता बज, संगीता पपड़ीवाल, अंकिता गंगवाल, सुनीता गंगवाल आदि ने माता की भूमिका निभाई सुशीला पाटनी, शांता पाटनी ने पालना महोत्सव में सबके साथ पालना झूलाते हुए नृत्य किया पूरा मंदिर भक्ति से सराबोर हो गया।

संत श्री सुधासागर कन्या महाविद्यालय की बालिकाओं ने संस्कृत प्रतियोगिता में परचम लहराया

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत श्री सुधासागर कन्या महाविद्यालय की बालिकाएं प्रतिवर्ष संस्कृत की विभिन्न प्रतियोगिता मे भाग लेती है ।इस वर्ष भी 7 बालिकाओ ने राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के अन्तर्गत राज्य स्तर पर भाग लिया और विदुषी बहन ऋषिता, मानसी, अणिमा, देशना और तनीषा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। और विदुषी बहन दृष्टि और आन्या ने राष्ट्रिय स्तर पर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर सौभाग्य प्राप्त किया। दोनों बहनें राष्ट्रिय स्तर पर आयोध्या गई और वहाँ बहन दृष्टि जैन ने जैन-बौद्ध भाषण में पूरे भारत में द्वितीय स्थान प्राप्त कर पूरे संस्थान व श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय का नाम रोशन किया। वहाँ पर उसका सम्मान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति श्रीनिवास वरखेडी महोदय ने किया। पूरे संस्थान परिवार की तरफ से बहन व परिवार को बधाई व शुभकामनाये।

श्री महावीरजी के मानद मंत्री सुभाष चन्द जैन ने लिया सप्तम पट्टाचार्य अनेकान्त सागर जी महाराज का मंगल आशीर्वाद

श्री महावीर जी. शाबाश इंडिया

श्री महावीरजी निकट पिलोदा ग्राम में विराजमान पूज्य सप्तम पट्टाचार्य अनेकान्त सागर जी महाराज के पावन दर्शन हेतु प्रबन्धकारिणी कमेटी श्री महावीरजी के मानद मंत्री सुभाष चन्द जैन अपनी ध.प. श्रीमती शशि जैन के साथ पहुंचे एवं 11 मार्च 24 से 25 मार्च तक श्री महावीरजी में आचार्य श्री के प्रवास के दौरान हुए अनुभवों को जाना । आचार्य अनेकान्त सागर जी का मंगल बिहार 25 मार्च को श्री महावीरजी में सांयकाल हो गया था, मंगल बिहार संधौली कर्नाटक के लिए चल रहा है। सुभाष जैन ने आचार्य श्री के चरणों मे नमोस्तु निवोदित करते हुए प्रार्थना की आचार्य श्री 11 मार्च 24 को आपके मंगल प्रवेश के समय आपके दर्शन का लाभ लिया था उसके बाद आज दर्शन का सौभाग्य मिला है, आशा है आप श्री महावीरजी में प्रवास सानन्द रहा हो। आचार्य श्री प्रसन्न मुद्रा में आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि आपकी कमेटी की व्यवस्थाए एवं स्टाफ का समर्पण सराहनीय है। मेरा 15 दिन श्री महावीरजी का प्रवास ऐतिहासिक रहा कटला परिसर में ठहराव टीले वाले बाबा की भक्ति करने का पूरा सौभाग्य मिला एवं सभी का सहयोग मिला। आचार्य श्री से चर्चा के दौरान आ. धर्मसागर जी, आ. देशभूषण जी, आ. विद्यानन्द जी एवं श्री वीरेन्द्र जी हेगड़े परिवार से जुड़े नानकराम जैन जौहरी परिवार के अनेक संस्मरण आ. अनेकान्त सागर जी ने याद दिलाए, जौहरी परिवार द्वारा श्रमण बेल गोला में रत्नात्रय जिनालय एवं चूलगिरी में विराजमान जिन प्रतिमाओं को अलौकिक बताया। सुभाष जैन के पास 1978 के आ. देशभूषण जी महाराज के छांया चित्र देखकर आचार्य श्री ने प्रसन्नता जाहिर की और आदेशित किया यह प्राचीन छांया चित्र मुझे उपलब्ध कराओ जिस पर सुभाष ने सहर्ष कराए जाने हेतु विनम्रता जाहिर की। **संकलनः पं. मुकेश जैन शास्त्री**

प्रतापनगर जैन समाज ने किया स्नेह होली मिलन समारोह आयोजित

प्रतापनगर. शाबाश इंडिया। श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन समाज प्रतापनगर सेक्टर 8 ने स्नेह होली मिलन समारोह आयोजित किया इस मौके पर प्रसिद्ध गायिका आशा कुमावत एवं जिनेन्द्र जैन जीतू ने होली के गीतों की भव्य प्रस्तुति दी कार्यक्रम में अतिथि के रूप में अशोक जैन नेता राजस्थान जैन सभा जयपुर के महामंत्री मनीष बैद, मंत्री विनोद जैन कोटखावदा, सहित महेश बाकलीवाल, प्रमोद जैन, राजेन्द्र बाकलीवाल, मनीष जैन,सहित बडी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने सहभागिता निभाई। संयोजकों सदस्यों द्वारा सभी अतिथियो का तिलक, माला एवं साफा पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। त्रिलोक जैन एवं अतुल मंगल ने बताया कि इस मौके पर फूलों की होली एवं रंगारंग कार्यक्रम किया गया। महिलाओं ने रंग बिरंगे परिधान पहने होली के गीतों पर नृत्य किये इस अवसर पर अमन जैन पत्रकार, पारस जैन, त्रिलोक जैन, बाबू लाल ईंटूंडा, सुनील साखुनीया, नंदकिशोर जैन , पुरण जैन चौरू,महेश सेठी सहित कई युवा कार्यकर्ताओं ने रंग रंगीली गुलाल बरसाकर माहौल को रंगीन बना दिया। कार्यक्रम के दौरान मनोरंजक गेम्स खिलाए गये जिसमें समाज बंधुओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। अन्त में सामूहिक वात्सल्य सहभोज के साथ समापन हुआ।

वैशाली नगर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आज से

हुई हल्दी रस्म, 300 से अधिक महिलाओं ने मेहंदी रचवाई

जयपुर. शाबाश इंडिया

वैशाली नगर के नर्सरी सर्किल स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर के प्रथम तल पर नवनिर्मित जिनालय का श्रीमज्जिनेन्द्र महावीर जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव विश्व शांति महायज्ञ आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज के ससंघ के पावन सानिध्य में बुधवार से शुरू होगा। 1 अप्रैल तक चलने वाले इस आयोजन में घटयात्रा,जन्म कल्याणक की शोभायात्रा सहित अनेक धार्मिक आयोजन होंगे। आयोजन से एक दिन पूर्व मंगलवार को हल्दी रस्म की विधि विधान से क्रियाएं सम्पन्न हुई। और करीब 300 महिलाओं ने मेहंदी रचवाई। आयोजन की सारी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। आयोजन के पांडाल बनकर तैयार को चुका है। आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के अध्यक्ष गजेंद्र बडजात्या ने बताया कि बुधवार को महोत्सव के पहले दिन गर्भकल्याणक पूर्वाद्ध की क्रियाएं होंगी, जिसके तहत सुबह 6 बजे जिनेंद्र दर्षन,प्रार्थना,शांति जाप्य व श्रीजी की शांतिधारा के बाद जल पूजन किया जाएगा। इसके बाद बैंडबाजों के बीच 1008 महिलाओं की घटयात्रा निकाली जाएगी। घटयात्रा में महिलाएं केसरिया परिधान में सिर पर मांगलिक कलश लेकर चलेगी। कलश यात्रा वैशाली नगर के विभिन्न मार्गो से होती हुई कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगी। इस दौरान पंचकल्याणक महोत्सव के लिए आचार्य श्री सुनील सागर जी का भव्य मंगल प्रवेश वैशाली नगर में होगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव के तहत इसके बाद सुबह 10 बजे महाध्वज स्थापना व पांडाल का उद्घाटन ''कुंडलपुर नगरी'' का उद्घाटन किया जाएगा। इसके बाद पांडाल में श्रीजी की शांतिधारा,पूजा व अर्घ्य के बाद चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन, आचार्यश्री के मांगलिक प्रवचन होंगे। इसीदिन दोपहर में मंगल कलश की प्रतिष्ठा,यागमंडल, जाप्यादि कलशों की स्थापना, व यागमंडल विधान की पूजा की जाएगी। मुख्य संयोजक विशाल जैन ने बताया कि इसी दिन दोपहर में कुमारिकाओं द्वारा तीर्थ जल लाना व शाम को प्रभु आरती के बाद रात्रि में 7.30 बजे गर्भकल्याणक के पूर्व दृष्य,सौधर्म इन्द्र की सभा, तत्वचर्चा, अलौकिक ज्योति,कुबेर का आगमन,महाराज से भेंट आज्ञा,पिता का ससम्मान लाकर सर्वतोभद्र महल में स्थापित करना,कुमारियों की स्थापना,तीर्थकर माता को 16 स्वप्न दर्शन आदि की क्रियाएं सम्पन्न होंगी। उन्होंने बताया कि 29 मार्च को जन्माभिषेक का भव्य जुलूस निकाला जाएगा। जुलूस में अनेक झांकियां, बैंड, बग्गी, हाथियों पर विराजमान इन्द्र-इन्द्राणी सभी के लिए आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। इसके बाद पांडुक शिला पर 1008 कलशो से अभिषेक किया जाएगा।

राजस्थान में बार बार वी आई पी मूवमेंट से होने वाली परेशानी से परेशान हुआ रांझा

जयपुर तमाशा के परंपरागत आख्यान रांझा हीर का हुआ मंचन, केजरीवाल की गिरफ्तारी

अबकी बार 400 पर जैसे नारे पर हुए कटाक्ष

जयपुर. शाबाश इंडिया। परंपरागत आख्यान में आधुनिक सन्दर्भ को जोड़ते हुए प्रसिद्द संस्था वीणा पाणी कला मंदिर द्वारा 24 मार्च 2024 को दोपहर 1 बजे जयपुर के लोकनाट्य तमाशा 'राँझा हीर' का मंचन ब्रम्हपुरी के छोटा अखाडा में किया गया। वर्षों से होली के अवसर पर जनमानस का मनोरंजन कर रहे भट्ट परिवार की आन बान शान और जयपुर की पहचान बन चुके इस तमाशे का निर्देशन प्रसिद्द तमाशा गुरु वासुदेव भट्ट ने किया। राँझा की भूमिका में तपन भट्ट और हीर की भूमिका में विनत भट्ट थे। चितरंगा की भूमिका विशाल भट्ट ने निभाई । सौरभ भट्ट और कपिल शर्मा द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से प्रारंभ हुए इस तमाशे में संवाद भट्ट एवं अभिनय भट्ट ने रांझा की प्रेमिका की भूमिका अदा की एवं युवा महिला कलाकार झिलमिल ने गणगौर प्रस्तुति दी। तबले पर शेलेन्द्र शर्मा और अनुज भट्ट ने, हारमोनियम पर सौरभ भट्ट, शरद भट्ट ने एवं वायलिन पर फिरदौस अली ने संगत की। तमाशा में बताया गया कि हीर की तलाश में भटक रहे राँझा को शहर में वी आई पी मूवमेंट के कारण होने वाले जाम ने बहुत परेशान किया। जगह जगह रास्ता बंद होने से उसे अपनी हीर को तलाश करने में बड़ी दिक्कत हुई। शास्त्रीय संगीत पर आधारित इस लोक नाट्य तमाशा में प्रमुख राग रागनियों यथा पहाड़ी-भूपाली, सिंध-काफी, मालकौस, मांड, केदार, जौनपुरी, दरबारी, पीलू, काफी, भैरवी आदि बंदिशों के माध्यम से कथानक प्रस्तुत किया गया। तमाशे में शास्त्रीय गायकी के साथ दर्शकों ने राँझा और चितरंगा के मजेदार संवादों का भरपूर मजा लिया । राँझा हीर के वाद विवाद वाले झूलने भी प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहे । राँझा द्वारा अपने बाग एवं गढ़ की बनावट के तरीके को विशिष्ट अंदाज में प्रस्तुत किया जिसमे भारत की पाक कला को स्थापत्य कला से जोड़ा गया। तमाशा कलाकारों ने तमाशा के कथानक को आधुनिक संदर्भो से जोड़ते हुए वर्तमान राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों जैसे अबके बार 400 के नारे, महागठबंधन के दावा, रामलला की प्राण प्रतिष्ठा, मोदी बनाम राहुल गांधी, ईडी सीबीआई का डर और अचानक ही उभरे भजन लाल की सरकार, जैसे मुद्दों के साथ राजस्थान में बार बार पेपर लीक होने और शहर में जाम की समस्या से आम जनता को होने वाली परेशानी पर भी प्रहार किया । इस अवसर पर तमाशा के परम्परागत दर्शकों के सम्मान के क्रम में तमाशा के वरिष्ठ दर्शक ललित किशोर शर्मा, रमा शंकर भट्ट, कृष्ण गोपाल शुक्ला और वीरूमल टेकवानी को तमाशा सुधि जन सम्मान एवं शहर के प्रसिद्ध कलाकार हनुमान सहाय जी को विशेष सम्मान दिया गया ।

हर्षोल्लास के वातावरण में त्रिकाल चौबीस दिगम्बर जैन मंदिर में सिद्ध महामण्डल विधान का हुआ समापन

रंगों से नही रंग बदलने वालों से डरों : 108 आदित्य सागर महाराज

कोटा. शाबाश इंडिया

सिद्ध महामण्डल विधान हर्षोल्लास के मंगल मय वातावरण में आर के पुरम त्रिकाल चौबीस दिगम्बर जैन मंदिर में सम्पन्न हुआ। मंदिर अध्यक्ष अंकित जैन ने बताया कि शाश्वत अष्टान्हिक महापर्व के तहत सिद्धशिला पर विराजमान सिद्ध परमेष्ठी के 1024 गुणों की पूजा अर्घ्य देकर पूजा सम्पन्न की गई। प्रतिष्ठाचार्य डॉ.अभिषेक जैन ने सम्पूर्ण अनुष्ठान संगीतमय कराकर भक्तिभाव से 8 दिवसीय श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ श्रुतसंवेगी श्रमण श्री 108 आदित्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में सम्पन्न करवाया। समापन दिवस पर सर्वप्रथम पाण्डु शिला में 24 वे तीर्थंकर भगवान महावीर को विराजमन कर स्वर्ण कलशों से अभिषेक एवं शांतिधारा कर नित्य नियम पूजा से की गई। साथ ही भगवान के 1008 सहस्त्र नाम का की वृहद शांति धारा का वाचन मंत्रोचार के साथ किया गया इसके बाद सम्पूर्ण विश्व में शांति सौहार्द शांति बने रहे इसलिए विश्वशांति महायज्ञ का आयोजन किया गया था जिसमे चौबीस तीर्थंकर कुंड, गौतम गणधर कुंड एवं पंच परमेष्ठी कुंड बनाए गए। सचिव अनुज जैन ने बताया कि प्रातकाल विशाल शोभा यात्रा का आयोजन मंदिर परिसर से आर के पुरम क्षेत्र में किया गया। जहां रथो पर विराजित होकर भगवान चांदी की पालकी निकले उनके पीछे रथों पर इंद्र–इंद्राणी व अन्य जैन समाज के लोग बडी संख्या में निकलें। हवन कुंडो में अग्नि प्रज्वलित कर ऋषि मंडल, पंच परमेष्ठी, चौबीस तीर्थंकर, विदेह क्षेत्र के बीस तीर्थंकर, चौसठ ऋद्धि मंत्रो की आहुतियां दी गई। हवन कुंड में घी, धूप, कपूर, समिधा, गोला आदि डालकर आहुतियां दी गई। हवन कुंड से निकली सुगंध से बड़ा मंदिर का संपूर्ण जिनालय भक्ति भाव से महक उठा।

लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मानित

सभा के उपरान्त आचार्य आदित्य सागर जी महाराज को लंदन की संस्था द्वारा मल्टीनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड लाइफटाइम अचीवमेंट से सम्मानित किया गया। गुरूवर किसी सम्मान को हाथ नहीं लेते है अतः दिगम्बर जैन समाज के पदाधिकारी एवं मंदिर समिति के लोगो ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। संस्था के इंडिया सी.ई.ओ.कृष्ण कुमार उपाध्याय ने कहा के ये संस्था के लिए गौरव का क्षण है जो आचार्य आदित्य सागर जी जैसे संत ने ये पुरस्कार स्वीकार किया। आध्यात्मिक गुरु और धर्म प्रेरणास्त्रोत आचार्य आदित्य सागर जी को समाज और युवाओं में नई सोच और चेतना लाने के लिए यह पुरस्कार दिया गया है।

जैन सौशल ग्रुप महानगर सिल्वर जुबली वर्ष का हुआ शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सौशल ग्रुप महानगर दिनांक 26 मार्च 2024 को अपनी स्थापना के सिल्वर जुबली वर्ष में प्रवेश किया। इस अवसर पर महानगर ग्रुप द्वारा सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत दिनांक 26 मार्च 2024 को प्रातः 9.00 बजे जैन महिला छात्रावास, नसियां सांगानेर में 150 से अधिक छात्राओ को सुबह का भोजन करवाया गया। महानगर ग्रुप के अध्यक्ष संजय छाबड़ा (आंवा) - सपना छाबड़ा ने बताया कि महानगर ग्रुप पूरे सिल्वर जुबली वर्ष में विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम करेगा। जिसकी शुरूआत आज छात्राओं को भोजन करवा कर की गई। इसी क्रम में दिनाँक 31 मार्च 2024 को प्रातः रक्त दान शिविर का आयोजन श्री दिगंबर जैन मंदिर संघी जी सांगानेर में एवं शाम को 48 मंडलों पर दीपको से भक्तामर स्तोत्र दीप अनुष्ठान भी श्री आदिनाथ मन्दिर, सांगानेर पर किया जायेगा। आज के सामाजिक कार्यक्रम में महानगर ग्रुप के सदस्यों ने छात्राओं को भोजन अपने हाथों से करवा कर आनन्द लिया। सुनील गंगवाल - अनीता गंगवाल, सचिव ने बताया कि कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप जैन, पूर्व अध्यक्ष सी एस जैन - संगीता जैन, रवि प्रकाश जैन, विरेंद्र जैन एवं कार्यकारिणी सदस्य नरेन्द्र जैन, पंकज जैन, पवन - मनीषा जैन, सुनील गौधा, पुखराज जैन सहित ग्रुप सदस्य उपस्थित रहे। उपस्थित सदस्यों ने भी छात्राओं के साथ भोजन का आनंद लिया। यह कार्यक्रम महानगर ग्रुप के सामाजिक सहायता कोष के तहत किया गया। कार्यक्रम के अन्त में छात्रावास प्रशासन एवं स्टाफ का शानदार व्यवस्था के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

रंगमंच प्रशिक्षण स्थली है और सिनेमा प्रदर्शन स्थली : आशुतोष राणा

विश्व रंगमंच दिवस पर विशेष

उदयपुर. शाबाश इंडिया

दुनिया भर के रंगकर्मियों के लिए 27 मार्च का दिन बेहद खास होता है, क्योंकि इस दिन विश्व रंगमंच दिवस मनाया जाता है। रंगमंच ने सिनेमा जगत को एक से बढ़कर एक कलाकार दिए हैं, जिनमें ओम शिवपुरी, नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी, मनोज बाजपेई, इरफान खान और आशुतोष राणा जैसे चोटी के अभिनेता शामिल हैं। इस विशेष अवसर पर हमने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से पास आउट अभिनेता आशुतोष राणा से बात की। लीजिए प्रस्तुत हैं उनसे हुई चर्चा के प्रमुख अंशः सवाल - सिनेमा में अत्यधिक व्यस्त होते हुए भी, आप आज तक रंगमंच में सक्रिय हैं। इस लगाव का क्या कारण है?

आशुतोष राणा- क्योंकि रंगमंच को मैं प्रशिक्षण स्थली मानता हूं और सिनेमा को प्रदर्शन स्थली और किसी भी प्रशिक्षण का आनंद तभी होता है, जब उसे प्रदर्शन का अवसर मिले और किसी भी प्रदर्शन का महत्व भी तभी होता है, जब उसके पीछे प्रशिक्षण की परंपरा हो। या दूसरे शब्दों में कहें तो कुछ लोग होते हैं जो सीख के काम करते हैं और कुछ लोग काम करते-करते सीखते हैं। इन सब गतिविधियों के लिए रंगमंच वह संस्थान है जहां रह कर आप अपनी कला का परिष्कार करते हैं और अपनी कला का परिष्करण हर कलाकार के लिए आवश्यक है, इसलिए मैं आज भी रंगमंच से जुड़ा हूं।

सवाल- इन दिनों रंगमंच की दुनिया में रामायण पर आधारित नाटक 'हमारे राम' में आपके द्वारा अभिनीत रावण के किरदार की काफी चर्चा हो रही है। क्या यह आपकी भी पसंदीदा भूमिका है?

आशुतोष राणा- देखिए मेरे अभिनय की शुरूआत गांव में होने वाली रामलीला से हुई है। बचपन से ही मैं रावण के चरित्र से बहुत प्रभावित था और मेरी प्रबल इच्छा थी कि मैं रावण की भूमिका करूं। लेकिन बाल्यावस्था में रावण जैसी सशक्त भूमिका किसी नए कलाकार को नहीं दी जा सकती थी। किंतु मैं स्वयं को भाग्यशाली मानता हूं कि करियर के इस दौर में आकर मुझे यह भूमिका निभाने का सुअवसर मिल रहा है।

सवाल- एक अभिनेता की दृष्टि से आप रावण को कैसे देखते हैं?

आशुतोष राणा- रावण वो है जिसके नाश के लिए परमात्मा को स्वयं जन्म लेना पड़ा। रावण इस सृष्टि का ऐसा भक्त भी है जिसने शिव को मित्र के रूप में साध रखा है और विष्णु को शत्रु के रूप में। यानी रावण शैव और वैष्णव दोनों ही मतों को मानने वाले भक्तों के लिए ये एक अनोखा योग है।

सवाल- एक अभिनेता के रूप में आपको रंगमंच या सिनेमा, कहां ज्यादा सुकून मिलता है?

आशुतोष राणा- एक अभिनेता को सदैव अभिनय में ही सुख मिलता है, फिर चाहे वह नाटक का मंच हो या सिनेमा की दुनिया। दर्शकों को प्रभावित करने वाला तथा चुनौतियों से भरा प्रत्येक चरित्र मुझे सुकून देता है। इतना ही नहीं, चाहे मैं कविताओं का सृजन करूं, व्यंग्य लिखूं अथवा पुस्तक लेखन करूं, यह सभी कार्य मेरे सुख में वृद्धि करते हैं। एक अभिनेता के लिए अभिव्यक्ति का प्रत्येक माध्यम सुखदाई होता है।

सवाल- एक कलाकार के लिए कला की परिभाषा क्या है?

आशुतोष राणा- कला मनुष्य की मूल प्रकृति होती है। कला के माध्यम से जो जीविका कमाने लगते हैं, वे कलाजीवी कहलाते हैं। जो बीते हुए कल को ग्लानि मुक्त तथा आने वाले कल को चिंता मुक्त कर दे, उस विधा का नाम कला और उस विधा को साधने वाला व्यक्ति ही कलाकार होता है। माता-पिता और मित्रों के साथ संबंध बनाना भी कला है और प्रतिकूल परिस्थितियों को अनुकूल परिस्थितियों में रूपांतरित कर देना भी कला ही कहलाती है।

सवाल- विश्व रंगमंच दिवस पर नई पीढ़ी के कलाकारों को क्या संदेश देना चाहेंगे?

आशुतोष- रंगमंच निरंतर अभ्यास की प्रक्रिया है। इसलिए अपनी अभिनय क्षमता को प्रभावी करने के लिए समर्पित भाव से रंगमंच के साथ जुड़ें। यदि प्रशिक्षण और प्रदर्शन के मध्य सामंजस्य बनाकर चलेंगे तो जीवन में अवसाद नहीं, आनंद ही आनंद होगा। आप सभी रंगकर्मियों को विश्व रंगमंच दिवस की अनंत शुभकामनाएं।

PPS
PADMAWATI PUBLIC SCHOOL
अहिंसा परमो धर्मः

PADMAWATI PUBLIC SCHOOL

Under the aegis of SHRI MAHAVEER DIGAMBER JAIN SHIKSHA PARISHAD

Admission Open

FOR GRADE

NURSERY, K.G., PREP

Session STARTING FROM | APRIL 2024

INDRA PATH, NEAR RHB COMMUNITY CENTER, MADHYAM MARG, MANSAROVAR, JAIPUR

CONTACT : +91-9001771884

E-MAIL : padmawatipublicschool@gmail.com www.padmavatischool.com